गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017

सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

लेट पोस्टिंग

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

प्रतिभाशाली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 8 अंक : 9 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जुलाई 2017 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

समाज को गौरवांवित किया, हमें इन पर गर्व है ।

लिवी जैन, गंजबासौदा
भावना–राजेश जैन
12th - 94.4%
CBSE- Commerce

आयुषी जैन, ललितपुर
सीमा–अनिल जैन
12th - 93% ICSE - PCB में
जिले में प्रथम स्थान

प्रखर जैन, कालापीपल
निधि–प्रदीप जैन
GATE 2017 में
आल इंडिया 12 रैंक

प्रियम जैन, गंजबासौदा
मोहिनी–मनोज जैन
12th - 92.8%
CBSE - PCM

अमन जैन, इन्दौर
रेखा–अशोक जैन
12th - 94.2%Board - PCM
जिले में 7वां स्थान

जंगल में मोर नाचा किसने देखा ??

कोशिश भी कर, उम्मीद भी रख, रास्ता भी चुन ।
फिर उसके बाद थोड़ा मुकद्दर तलाश कर।।

कोई भी इन्सान ना तो जन्म जात महापुरुष होता है और ना ही असफल व्यक्तित्व । ये दोनों ही संभावनाएँ शैशवकाल में माता–पिता द्वारा रखी नींव के आधार पर बनती है । हर जन्म लेने वाला अपनी मेहनत और जोश से बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकता है, बच्चा सबसे पहले अपने परिवार से प्रभावित होता है । माता पिता के जीवन का उस पर गहरा असर पड़ता है । बच्चा एक अच्छा नागरिक और आदर्श व्यक्तित्व का स्वामी हो उसके लिए स्वस्थ्य वातावरण और आदर्श स्थिति देना माता पिता और समाज का दायित्व होता है । प्रतिभाएँ पुलकित पुष्पित हो, कोई भी पद, प्रतिष्ठा, डिग्री अपनी मेहनत और लगन से पाई जा सकती है लेकिन इसके लिए पारिवारिक पृष्ठभूमि अभिभावक बहुत मायने रखती है । पूज्य मुनिश्री द्वारा क्षमा सागरजी महाराज अक्सर कहते थे ''एक जीवन बनाने के लिए एक जीवन गिराना पड़ता है'' तभी प्रतिभाएं निखर कर समाज के सामने आती है और समाज का दायित्व भी बनता है कि ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान करें । हाँ सम्मान से याद आया **गोलालारीय दर्शन** ने हर बार समाज की प्रतिभाओं का सम्मानित करने का बीड़ा उठाया है । वैसे प्रतिभा है क्या ?

''बुद्धि की नई कोंपले फूटते रहना, नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज, नई स्फूर्ति ही प्रतिभा है । ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने है जहां पर लोगों ने अलग अलग क्षेत्रों में सफलता अर्जित की है, अपने भीतर छुपी प्रतिभा को पहचान कर या किसी और के द्वारा परिचित कराकर एक अलग मुकाम पाया है ।

इसमें माता पिता की भूमिका अहम होती है । बच्चे को प्रोत्साहित करके उसका साथ देकर उसको आगे बढ़ाना और समाज के समक्ष भी लाना क्योंकि जगल में मोर नाचा किसने देखा । वहीं यदि लोगों की नज़र उस पर पढ़ जाये तो वह बेहद खुश होकर पूरी लगन के साथ और मेहनत करेगा । बहुत बार बच्चे अपने आप को साबित करने में झिझकते है या यूं कहे वह अपनी सफलता को लोगों को बता नहीं पाते, तो क्या हुआ । आज के इस युग में ऐसे बहुत से माध्यम है जिसके द्वारा हम बच्चों की प्रतिभाओं से लोगों को परिचित करवा सकते है । इसी उम्मीद को लेकर गोलालारीय दर्शन पत्रिका एक सार्थक प्रयास कर रहा है । आप अपने बच्चों की प्रतिभा को हजारों लोगों से एक साथ परिचित करा सकते है । वैसे भी जिन पत्थरों को तराशा नहीं जाता वह हीरा नहीं बन पाते । अपने लाड़लों की कामयाबी में चार चांद लगाइये और भेज दीजिये समाज की एकमात्र पत्रिका में छपने के लिए । और उनके काम में, उनके हुनर में आप अपनी खुशी जोड़कर उन्हें अचंभित कर सकते है ।

सहसंपादिका – श्रीमती साधना जैन, आकाशवाणी, भोपाल

इंडिया नहीं भारत बोलो

आमोद जैन, कानपुर । संपूर्ण विश्व में दिगम्बर जैन समुदाय के श्रावकों ने आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज का 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव सानंद मनाया । मुख्य समारोह चंद्रगिरी, डोंगरगढ़ में अनेक आयोजन के साथ सानंद संपन्न हुआ । सुबह से ही आयोजन स्थल पर श्रावक बड़ी संख्या में आने लगे थे । प्रतिभा स्थली की छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये । हर कोई इस कार्यक्रम को प्रत्यक्ष देखना चाहता था इसलिये कार्यक्रम को भव्य बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया । इसी कढ़ी में सोने चांदी से निर्मित रथ को तैयार कराया गया है । यह रथ स्वर्गलोक में पाए जाने वाले विमानों की तरह ही है । इसे देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गये । इन्दौर उदासीन आश्रम के बाल ब्रह्मचारी अभयजी 'आदित्य' ने आचार्यश्री की पूजन का संयोजन किया । आचार्यश्री ने अपने संक्षिप्त देशना में श्रावकों को कहा कि दूसरों को जागृत करने के लिये पहले खुद को जागृत करना होगा । देश के प्रत्येक नगर, गांव में प्रात: से ही शोभा यात्रा निकालकर 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव मनाया गया ।

अनेक शहरों में झांकियों के साथ समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित हुए । उदयपुर में मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज के निर्देशन में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें प्रमाणसागरजी महाराज के द्वारा दिये गये उद्बोधन की मंशा अनुरुप महिलाओं ने सड़क पर बिना नृत्य किये शालीनता पूर्वक शोभायात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

सांगानेर में श्री मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज ने दिनांक 25 जून को अपने संक्षिप्त उद्बोधन में सभी को अपनी अवस्था अनुसार 28 जून को व्रत लेने का आह्वान किया था । उन्होंने श्रावकों को बिना रसी के व्रत लेने का संकल्प दिलाया जैसा कि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज द्वारा आहार लिया जाता है । उन्होंने श्रावकों को एक वर्ष, पांच वर्ष व छत्तीस वर्ष अपनी अवस्था अनुरुप व्रत धारण करने का भी आह्वान किया ।

वर्षभर अनेक शहरों में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे । हथकरघा, गौरक्षा व अन्य योजनाओं का आयोजन वर्षभर किया जाता रहेगा । इंडिया नहीं भारत बोलो के नारे को संपूर्ण विश्व में फैलाने का निर्णय कानपुर के आमोद जैन व अनूप जैन के साथियों ने लिया है ।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पत्रिका

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2017

"प्रयास"
रिश्तों को जोड़ने का...

परिचय पत्रिका वितरण 5 सितम्बर 2017 से

300/- रु. में विवाह योग्य प्रत्याशियों की पत्रिका प्राप्त करें ।

आप हमारी वेबसाईट www.golalariya.com पर फार्म अपलोड करके भेज सकते है एवं प्रविष्टि फार्म एवं बैंक में जमा राशि की रसीद की फोटोकॉपी हमें golalariya.darshan@gmail.com पर भेज सकते है ।

प्रविष्टि भेजने का पता – हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर – 452007
गोलालारीय दर्शन, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर 452 003

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – मो.: 9425903301, 9424013136, 9425958188, 9329524227

विवाह योग्य युवक युवतियों की परिचय पुस्तिका 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का... के द्वितीय अंक का प्रकाशन 5 सितम्बर 2017 में किया जावेगा । इस पत्रिका के लिए हम क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के माध्यम से बायोडाटा प्रविष्टि फार्म व अन्य जानकारियां आप तक पहुंचाई जा चुकी है । प्रत्येक अभिभावक अपने विवाह योग्य बच्चों का संबंध अच्छे परिवार में तय करना चाहते है, इसके लिए उन्हें अपने बच्चों का बायोडाटा समाज की 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का... में अवश्य ही प्रकाशित करवाना चाहिये ताकि संबंधों की चर्चा को गति मिल सके । यदि हम अपने बच्चों का बायोडाटा प्रकाशित नहीं करवायेंगे तो अन्य अभिभावकों को आपके बच्चों की जानकारी कैसे मिल पायेगी ? विचार करें... प्रविष्टि फार्म सशुल्क 300 रु. जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2017 रहेगी । पुस्तिका का प्रकाशन 5 सितम्बर के पश्चात अंक को आपको पहुंचा दिया जावेगा । हमारा प्रयास है कि दीपावली पश्चात विवाह का आगामी सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही इस पत्रिका के माध्यम से आप योग्य प्रत्याशियों की जानकारी प्राप्त कर बातचीत की रुपरेखा बना सके । हमारे इस प्रयास से जुड़ने के इच्छुक सज्जन संपर्क करे – 9424013136

परामर्श प्रमुख
श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165
कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847
*** विशेष सहयोगी ***
डॉ. आनंदकुमार जैन, विदिशा
श्री पूरनचंद धन्यकुमार जैन, महरौनी
श्री देवेन्द्रकुमार राजकुमार जैन, भोपाल
श्री अजयकुमार जैन, ललितपुर
*** सहयोगी सदस्य ***
श्री कुन्दनलाल मनोरिया, विदिशा

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

वर्ष भर मनायेंगे संयम स्वर्ण महोत्सव

आषाढ़ शुक्ल पंचमी विक्रम संवत् 2074 यानि 28 जून 2017 का पावन दिवस जो पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का 50वां दीक्षा दिवस है जिसे संपूर्ण विश्व में 'संयम स्वर्ण महामहोत्सव' के रूप में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

यह महोत्सव हमारे जीवन के लिये मणिकांचन योग बन कर आया था हमारे जीवन में ऐसे अवसर बिरले ही आते है जब हम महान संतों के जीवन के उत्सवों के साक्षी बनते है। आइये हम सभी इस 'संयम स्वर्ण महोत्सव' को वर्ष भर अनेक आयोजन के साथ अपने नगरों में धूमधाम पूर्वक मनाये। इस प्रसंग पर आचार्यश्री द्वारा रचित संपूर्ण साहित्य एवं प्राचीन आचार्यो द्वारा रचित महत्वपूर्ण ग्रंथों का सेट उन मंदिरों को नि:शुल्क उपलब्ध कराने की योजना है जहां नियमित स्वाध्याय होता है।

वर्ष 2017-18 में आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक एवं रचनात्मक अनुष्ठानों के साथ एक विशिष्ट पत्राचार पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम में गुरुवर्य के अलौकिक व्यक्तित्व व लोक कल्याणकारी विचारों पर केन्द्रित होगा। तीन आयु वर्गो में विभाजित (10 से 13 वर्ष, 14 से 17 वर्ष व 18 वर्ष से उपर) इस पाठ्यक्रम की प्रावीण्य सूची में सम्मिलित होने वाले श्रावकों को 11000 रु. से एक लाख तक नगद पुरस्कार राशि से अलंकृत किया जायेगा। प्रांतीय स्तर पर 11 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

स्वावलंबन महायोजना - अर्थाभाव के कारण श्रेष्ठ शिक्षा, चिकित्सा व जीवन यापन से वंचित परिवारों के लिये बनाई गई इस योजना में परिवार को गोद लेकर सुविधाएं उपलब्ध कराकर स्वावलंबन योजना के अंतर्गत गौपालन व हथकरघा ग्रामोद्योग से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जावेगा।

संयम कीर्ति स्तंभ - अपने ग्राम व नगर के सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, विद्यालयों व नगर के उद्यानों में संयम कीर्ति स्तंभ की स्थापना कर गुरुवर्य के अवदान एवं व्यक्तित्व के प्रति अपनी भावपूर्ण आदरांजलि व्यक्त कर सकते है। इस संकल्प में हम अपने जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ समाज श्रेष्ठियों की मदद ले सकते है। यह कीर्ति स्तंभ संयम स्वर्ण महोत्सव समिति के द्वारा एक ही डिजाइन, आकार व एक ही रंग संयोजन से बनाया जाना है बस आपको अपने संकल्प की जानकारी महोत्सव समिति को देना है।

संत शिरोमणि योग शिविर - वर्ष भर चलने वाले संयम स्वर्ण महोत्सव के अंतर्गत समाज प्रमुख अपने नगर/ग्राम में वर्ष भर या विशेष कालखंड में योगा शिविर का आयोजन कर योग से संबंधित चित्र प्रदर्शनी, पुस्तक वितरण व फिल्म शो का आयोजन कर सकते है।

राष्ट्रीय भजन प्रतियोगिता - आचार्य श्री के जीवन व विचारों पर आधारित भजन प्रतियोगिता का आयोजन अनेक शहरों में किया जावेगा। जो सदस्य इस विधा में रुचि रखते है उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की पहचान दर्ज कराने का स्वर्णिम अवसर है इस प्रतियोगिता के विजेता को एक लाख रु. राशि पुरस्कार स्वरुप भेंट की जावेगी।

स्मृति प्रतीकों का संचय - इस स्वर्णिम अवसर की स्मृतियों को संजोने हेतु गुरुवर्य की छवि बाली सुंदर स्वर्ण, रजत व कांस्य धातु के सिक्कों का निर्माण किया जा रहा है। जिसे आप अवश्य ही अपने पास सहेज कर रखना चाहेंगे।

पाठशालाओं का पुनरुत्थान - प्रत्येक नगर में लगने वाली पाठशालाओं को पुर्नजागृत कर बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करना समिति का ध्येय है ताकि समाज का नैतिक एवं चारित्रिक पक्ष मजबूत हो साथ ही ये बच्चे सशक्त युवा पीढ़ी के रुप में उभरकर चतुर्विध संघ की विनय एवं वैय्यावृत्य में सहायक बन सके।

वर्ष भर चलने वाले संयम स्वर्ण महोत्सव में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। भावी पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के इतिहास में स्वर्ण युग की ख्याति से परिचित कराने के लिए पाक्षिक पत्रिका "विद्या ध्वनि" का प्रकाशन किया जाना है। गुरुवर्य को समर्पित कोई काव्यात्मक शब्द शिल्प, गीत, छंद आदि काव्य संग्रह है या आपके पास स्वयं रचित गुरुवर्य को कृतज्ञता ज्ञापित करती कोई पुष्पांजलि या गुणगाथा है या भजन आल्हा चालीसा या सूक्तियां इत्यादि है तो आयोजन समिति को भेज सकते है।

संपर्क - जैन विद्यापीठ, सागर मो.: 9109090222
संकलन - अनुपमा जैन, इन्दौर

भक्तामर महामंडल विधान संपन्न।

कोमलचंद जैन, इन्दौर। 14 से 21 मई तक इन्दौर के रामाशाह मंदिर, मल्हारगंज के इतिहास में भक्तामर पाठ का अद्वितीय आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अनुपम महार्चना का आयोजन डॉ. रुपेश-रानी मोदी परिवार द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में शहर के हजारों जैन व अजैन श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शहर के प्रमुख भक्तामर मंडली - भक्तामर मंडल, प्रयत्न ग्रुप, छावनी मंडल सहित 40 महिला मंडलों ने अपनी सुमधुर वाणी में भक्तामर पाठ के संस्कृत व हिन्दी पदों का भक्ति नृत्य के साथ आनंद लिया। प्रारंभ में चावल की चूरी से बना आकर्षक मंडल विधान में 48 पदों की महिमा बतायी गयी। स्थापना के साथ 48 अर्घ देकर मंगल अर्चना की शुरुआत की गयी। इस महाविधान में परम पूज्य आचार्य शिवसागरजी महाराज, ऐलाचार्य निजानंदजी महाराज, पूज्य आर्यिका 105 कीर्तिवाणी माताजी का सानिध्य एवं आशीर्वाद श्रावकों को प्राप्त हुआ। पंच लश्करी गोट ट्रस्ट ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। महामंडल विधान का निर्देशन अनिल भैयाजी, पं. प्रवर रमेशचंदजी बांझल, मानभद्र मंडल के द्वारा हुआ। इस आयोजन के समन्वयक डॉ. संगीता विनायका व कमल काला थे। समापन के अवसर पर श्रीजी की भव्य पालकी यात्रा शहर के पश्चिम क्षेत्र में धूमधाम से निकाली गई। समापन अवसर पर महावीर बाग परिसर में सहयोगी संस्थाओं के साथ 110 संस्थाओं का भी बहुमान किया गया।

शिखरजी ड्रीम्ज़ मे पधारे आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज

निशांत जैन, इन्दौर। इन्दौर नगर में आगमन करते हुए 1 जुलाई को आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ का रात्रि विश्राम तलावली चांदा पर स्थित शिखरजी ड्रीम्ज़ कालोनी पर हुआ। शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से उनके परम शिष्य समाधिस्थ ऐलक श्री 105 निशंकसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से शिखर ड्रीम्स में श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। परिसर में अस्थाई जिनालय का शुभारंभ व वेदी प्रष्ठिा का भव्य आयोजन 25 जून को विधानाचार्य बा.ब्र. अनिलजी के मार्गदर्शन में बा.ब्र. अमय 'आदित्य' के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। प्रात: काल से ही अनेक आयोजन के साथ याग मंडल विधान पश्चात नवीन वेदिका पर श्रीजी विराजित किए गये। चैत्यालय प्रारंभ होने के 6 दिवस पश्चात् ही चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज का संसघ आगमन चैत्यालय से जुड़े परिवारों के लिए अत्यंत ही गौरव का क्षण था। वे अपने आप को धन्य मान रहे थे कि अल्प अवधि में ही गुरुवर के चरण इस कालोनी में पड़े।

हार्दिक बधाईयाँ

डॉ. आकाश आजाद जैन, अहमदाबाद ने जामनगर के शासकीय मेडिकल कॉलेज से एम.डी. रेडियोलॉजी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

इंजी. अरुणकुमार जैन की सुपुत्री **डॉ. आकांक्षा जैन** ने अपना शोधपत्र फ्रांस के अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में प्रस्तुत किया। देहरादून में सराकोद्धारक 108 षष्टम पट्टाचार्य ज्ञानसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में श्रुत सम्वर्द्धन सम्मान समारोह में ललितपुर समाज के वरिष्ठ सदस्य **डॉ. हुकुमचंद पवैया** का 51000 रु. की धनराशि प्रशस्तिपत्र, रजत ट्रे, शाल श्रीफल व नवकार महामंत्र की माला के साथ सम्मान किया गया। आपका जैन पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है।

तप साधकों के लिए विशेष अवसर

आगामी पयूर्षण पर्व में 5 या 5 से अधिक निरंतर निर्जल उपवास / निरंतर एक दिन जल व एक दिन निर्जल उपवास / निरंतर सिर्फ जल के आधार पर ही उपवास करने वाले तपसाधकों के चित्र जानकारी सहित गोलालारीय दर्शन पत्रिका में प्रकाशित कर करना चाहते है। आपसे निवेदन है कि जो श्रावक इस श्रेणी में आते है वे अपनी सचित्र जानकारी पूर्ण विवरण के साथ गोलालारीय दर्शन पत्रिका के पते, ईमेल या वाट्सएप्प नं. 9406744064 पर 15 सितम्बर 2017 तक भेज सकते है।

इन्दौर में आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी का भव्य मंगल प्रवेश

संजय जैन, इन्दौर । 2 जुलाई को आचार्यश्री 108 विशुद्धसागरजी संसघ का आगमन माणिक चौक मंदिर से भव्य शोभा यात्रा के साथ श्री दिगम्बर जैन समवशरण मंदिर, कंचन बाग में हुआ। इन्दौर की पावन धरा पर एक और इतिहास रचा गया। सुबह ऐलाचार्य 108 निजानंदसागरजी से मिलन पश्चात एलाचार्य जी और आचार्य संसघ माणिक चौक से राजबाड़ा की ओर विहार कर रहे थे । शोभायात्रा में समाज के प्रत्येक संगठन ने अपना सहयोग दिया । समस्त कालोनियों के महिला मंडल व दिव्यघोष मंडल, रथ, हाथी, कई बैंडो बाजों के साथ शोभा यात्रा को भव्य बना रहे थे । आचार्य संघ श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते चल रहे थे । 7 बजे से प्रारंभ शोभा यात्रा 10 बजे समवशरण मंदिरजी पहँची । जहां गुरूदेव और एलाचार्यजी का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किया गया। गणाचार्य 108 श्री विरागसागरजी के चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन पश्चात गुरुजनों के मंगल प्रवचन हुए । आपने कहा कि हम जो भी सोंचे, अच्छा सोंचे । उसमें सभी के कल्याण का भाव हो । चातुर्मास में अच्छे संकल्प ले और उसे पूर्ण करें । विश्व के सारे दर्शन मौन हो जाते है जहाँ महावीर का दर्शन काम करता है। सारे मंगल शून्य हो जाते है जहां भाव मंगल काम कर देता है, जब भी मोक्ष होगा भाव मंगल से होगा। मुनिश्री ने इसी कड़ी में कहा कि हे जीव!! जैसे इत्र बेचने वाला गली में निकल जाये तो पूरी गली महक जाती है वैसे ही जब निर्ग्रन्थ मुनि जिस गली से निकले तो तुम उनके दर्शन कर लेना, तुम उनको देखकर मुनि बन पाओ या न बन पाओ लेकिन वे जिस गली से निकले वह रत्नत्रय की सुगंध से महक जाये ।

गोलालारीय समाज का यह सौभाग्य है कि आचार्यश्री संघ में समाज के दो मुनिराज 108 मुनिश्री आस्तिक्य सागरजी व 108 मुनिश्री प्रणितसागरजी महाराज का पावन सानिध्य पाकर गोलालारीय समाज गौरवांवित महसूस कर रहा है ।

सांगानेर की पावन धरा पर जन आस्था का महाकुम्भ

राकेश जैन डब्ल्यू, ललितपुर । श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, संघीजी मंदिर सांगानेर की ओर से ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु पहुंचना शुरु हो गये थे, जो धीरे धीरे यह क्रम वृहद मेले के रुप में परिवर्तित हो गया । अवसर था 18 वर्ष बाद मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज द्वारा यक्ष रक्षित जिन प्रतिमाओं के भूगर्भ से निकालने का ।

सांगानेर में महाकुम्भ मेला – प्रात: 4 बजे से ही मंदिर के बाहर बने विशाल पाण्डाल में श्रावक श्राविकाओं का पहुंचना शुरु हो गया और 8 बजे तक तो चारों ओर केसरिया वस्त्र पहने महिलाएं एवं श्वेत वस्त्रधारी पुरुष नजर आ रहे थे । मंदिर के अंदर व बाहर श्रद्धालु सांगानेर वाले बाबा, भगवान आदिनाथ, संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज व मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज का जयघोष वातावरण को धर्ममय बना रहे थे । लगभग 9 बजे के आसपास यह घोषणा हुई कि मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज यक्ष रक्षित जिन प्रतिमाओं के साथ पाण्डाल में आ रहे हैं तो चारों ओर जयकारों से वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया । इस बार जिन बिम्ब मुनिश्री गुफा से लेकर आये थे ।

गुफा का रहस्य – मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराजजी तलघर से यक्षरक्षित जिनालय को निकालने के क्रम में पिछले दिनो से मुनि संघ के साथ साधनारत थे । प्रात: 8 बजे मुनिश्री संघीजी मंदिर के तलघर के द्वार पर पहुंचे तथा प्रार्थना की और फिर भूगर्भ में उतरे । उन्होंने वहां भगवान की आराधना कर संकल्पबद्ध होकर 25 जून तक के लिये यक्ष रक्षित जिन प्रतिमाओं के बाहर लाने की विधि पूर्ण की । मुनिश्री ने गुफा का रहस्य बताते हुए कहा कि वहां पर आक्सीजन की बहुत कमी है । मेरी हालत अर्द्ध चेतना जैसी हो गयी थी जैसे कि कोई वेंटीलेटर पर रहता हो, दलदल भी पिछली बार की अपेक्षा अधिक मिला और गुफा में जिस ओर पिछली बार मुझे नागराज मिले थे उस ओर मैं गया ही नहीं क्योंकि हमारी भी मर्यादा है । इस बार मूर्तियों के अलावा वहां मुझे बहुत सारे प्राचीन ताम्रपत्र मिले हैं जिनके पढ़ने के बाद और रहस्यों के बारे में पता चलेगा । मुनिश्री ने कहा कि भूगर्भ से यक्षरक्षित जिन प्रतिमाओं को निकालने से पहले तीन बातों का ध्यान रखना आवश्यक था सर्वप्रथम मूलनायक भगवान आदिनाथ सांगानेर वाले बाबा के विश्वासपात्र बनो । दूसरी बात मंदिर कमेटी को विश्वास में लो कि जो साधु मूर्ति निकाले वो गुफा की मर्यादाओं का ध्यान रखे और तीसरा वह निर्देश साधना और तपस्या में निपुण हो। मुनिश्री ने कहा कि अगर कोई दादागिरी से गुफा में प्रवेश कर भी गया तो वह लौटकर वापस नहीं आ पायेगा ।

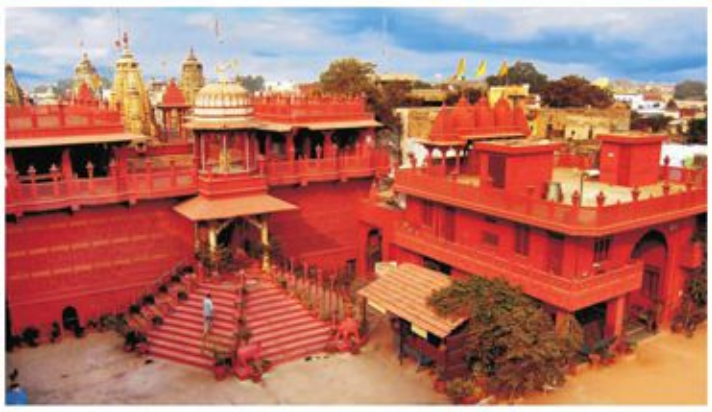

घंटो से इंतजार कर रहे श्रावक श्राविकाओं ने जैसे ही यक्षरक्षित जिन प्रतिमाओं के दर्शन किए तो वह भाव विभोर हो उठे और दोनों हाथ ऊंचे करके जयकारे लगाये । एक से एक भव्य नवरत्नों की प्रतिमाएं सबसे विशाल आदिनाथ भगवान की मूर्ति और अन्य मूर्तियों की बनावट ऐसी थी मानों हर श्रद्धालु दिल में न भूलने वाली स्मृति में रख लेने को आतुर थे। दिनांक 19 से 25 जून तक हजारों श्रावकों ने नवरत्न प्रतिमाओं का अभिषेक करा व लाखों श्रावकों ने दर्शन कर अपने आप को पुण्यशाली मानकर इस अद्वितीय प्रतिमाओं की छबि को सदा के लिए मन में संजो लिया ।

युगप्रतिक्रमण महामहोत्सव सानंद संपन्न ।

राजेश जैन, बीड़ीवाले, झांसी । भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के अतिशयकारी तीर्थ करगुवांजी झांसी में 14 से 25 मई तक हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। प्रतिदिन अनेक आयोजनों के साथ आचार्यश्री के मंगल आर्शीवचन का श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया ।

युगप्रतिक्रमण प्रवर्तक गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज एवं युगप्रतिक्रमण निर्देशक आचार्यश्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में पूर्ण क्रियाओं के साथ संपन्न हुआ ।

भव्य ऐतिहासिक मंच तीर्थंकर परमात्मा के समवशरण की रचना बनी हुई थी। मुख्य उच्च आसन पर गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी विराजमान थे। उनके सामने मंच पर प्रथम पंक्ति में आचार्य विशुद्धसागर सहित 4 आचार्य विराजमान थे। लगभग 185 पिच्छियां थी, मंच पर दाएं में सभी मुनिवर, ऐलक, क्षुल्लक विराजमान थे, बाएं में माताजी थी । मंच के सामने एक विशिष्ठ घेरे में सभी ब्रम्हचारी भाई बहिनें बैठे हुए थे । अगले घेरे में सफेद कुर्ता पायजामा पहने हुए श्रावक थे, फिर अन्य श्रावक मौजूद थे। दोपहर 3 से 7 बजे तक 4 घंटे का प्रतिक्रमण चला । करीब 25,000 लोगों ने एक साथ युग प्रतिक्रमण किया। गणाचार्य श्री विरागसागरजी ने सर्वप्रथम युगप्रतिक्रमण का पूरा अर्थ बताते हुए सभी को उतने समय के लिए संकल्पबद्ध किया। जीवन भर में आज तक हुए अपराधों की क्षमा मांगने के लिए कहा। सभी को खड़े करवाकर चारों दिशाओं में 3 आवर्त 1 शिरोनति करवाते हुए पांच परमेष्टि को नमस्कार करवाया । गणाचार्यजी हिंदी में भावार्थ भी समझाते जा रहे थे जिससे कि सभी श्रावक प्रतिक्रमण के अर्थ और मर्म को समझते हुए एकाग्रता से सुन रहे थे। 25 मई को समापन दिवस की भव्य शोभा यात्रा में समाजजनों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर बुन्देलखंड में इतिहास रच डाला ! जिसे कई वर्षों तक याद रखा जाएगा । महोत्सव समिति के अध्यक्ष पूर्व सांसद प्रदीप जैन 'आदित्य', कार्याध्यक्ष राजीव जैन व महामंत्री श्री प्रवीण जैन 'दैनिक विश्व परिवार' ने समारोह में भाग लेने वाले व सहयोग देने वाले सदस्यों का आभार प्रकट कर यशस्वी जीवन की शुभकामनाएं व्यक्त की ।

पृथ्वीपुर में पंचकल्याणक सानंद संपन्न

नवीन जैन, पृथ्वीपुर । परम पूज्य दिगम्बर जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ज्ञान - ध्यानतप से सिंचित एवं चरण रज से पवित्र मध्यभारत की हृदय स्थली बुन्देलखनण्ड के टीकमगढ़ जिले के विश्व पर्यटक स्थल ओरछा के रामीपस्थ राधासागर से सुसज्जित ऐतिहासिक नगरी पृथ्वीपुर में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की स्वर्णिम संयमोत्सव वर्ष के सुअवसर पर उन्हीं के पावन आशीर्वाद से एवं उन्हीं के आज्ञनुवर्ती शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 अजितसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुव्रतसागर जी महाराज, श्रद्धेय ऐलक श्री दयासागर जी एवं ऐलक श्री विवेकानंदसागर जी महाराज क ससंघ पावन सान्निध्य में एवं बा.ब्र. अशोक भैया जी लिधौरा के प्रतिष्ठाचार्यत्व में एवं नगर गौरव व्याख्यान वाचस्पति पं. डॉ. श्रेयांस कुमार जैन (दुमदुमा वाले) बड़ौत के मार्गदर्शन में 30 मई 2017 से 4 जून, 2017 तक श्री मज्जिनेन्द्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव एवं विश्वशांत महायज्ञ का सानंद सम्पन्न हुआ । इस महोत्सव में अहमदाबाद व टीकमगढ़ क्षेत्र के आस पास के अनेक गांवो के श्रावकों ने पंचकल्याण महोत्सव में पुण्यार्जन किया । कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए पंचकल्याणक समिति व मंदिर समिति के समस्त सदस्यों का योगदान रहा । सर्वश्री देवेन्द्र जैन, सत्येन्द्र जैन, मुकेश जैन, प्रसन्न जैन, अखलेश भैया, सत्येन्द्र जैन 'रिंकू', रविन्द्र जैन, पंकज जैन, नवीन जैन, दुमदुमा के अनूप जैन, नितीन जैन, राकेश जैन, रवि जैन व किस्टोन के जितेन्द्र जैन, कुलदीप जैन, जीतू जैन का विशेष सहयोग रहा ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

जानवी, गंजबासौदा
नीतू-आयुष जैन
1ली - ए+

श्रुत, झांसी
दीपक जैन
1ली - ए2

पूर्वी, गंजबासौदा
महेशकुमार जैन
1ली - ए

अनुषा, गंजबासौदा
राशि-सतेन्द्र जैन
1ली - ए

लम्हा, गंजबासौदा
शिल्पा-पंकज जैन
1ली - ए

मयूर, गंजबासौदा
शिल्पा-सुरेन्द्र जैन
1ली - ए

भव्या, झांसी
राजेश जैन
1ली - ए

रिद्धी, झांसी
धर्मेन्द्र जैन
1ली - ए

मोहित, मण्डीबामौरा
विभूति-आनंद जैन
2री - ए1

गीत, बुढ़ार
जूली - ऋषि जैन
2री - ए++

चैतन्या, इन्दौर
रोशनी-रूपेश जैन
2री - ए+

प्राची, इन्दौर
अनीता-प्रमोद जैन
2री-ए+

वैभवी, इन्दौर
नीतू-निलेश मोदी
2री - ए+

पाखी, गंजबासौदा
नीतू-पवन जैन
2री - ए+

इशिका, अहमदाबाद
सोनिया - सत्येन्द्र जैन
2री - ए

परी, गंजबासौदा
भारती-विजय जैन
2री - ए

अनमोल, गंजबासौदा
राशि-सत्येन्द्र जैन
2री - ए

हर्षिल, इन्दौर
सारिका - पीयूष जैन
2री - ए1

अवधि, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
3री - 10 सीजीपीए

चारू, गंजबासौदा
सुनिता-शैलेन्द्र जैन
3री - ए+

महक, विदिशा
मोहिनी-राकेश जैन
3री - ए+

अर्चिता, गंजबासौदा
सरिता-राजेन्द्र जैन
3री - ए+

अनुभव, गंजबासौदा
प्रीति-संजय जैन
3री - ए

आर्यन, उज्जैन
महावीर जैन
3री - ए

खुशी, गंजबासौदा
भारती-पंकज जैन
3री - ए

मेरू, गंजबासौदा
सारिका-विकास जैन
3री - ए

अक्षत, इन्दौर
श्वेता - अनंत जैन
3री - ए

आर्जव, इन्दौर
पूजा-अभिषेक जैन
3री - ए2

दीर्घा, इन्दौर
हेमा-सचिन जैन
3री - ए+

रिद्धिमा, झांसी
दीपक जैन
4थी - 94.4%

तीर्थेश, इन्दौर
रोशनी-रूपेश जैन
4th - 9CGPA
UCMAS Term VI - 4th rank

विदित, इन्दौर
रजनी-आशीष जैन
4थी - ए+

अक्षिता, इन्दौर
सोनू-महेन्द्र जैन
4थी - ए+

आर्या, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
4थी - ए+

अक्षत, विदिशा
सुमन-आनन्द जैन
4थी - ए+

विज्ञा, झांसी
बाहुबली जैन
4थी - ए+

अक्षय, इन्दौर
रिचा-स्वतंत्र जैन
4थी - ए

आदित्य, गंजबासौदा
ज्योति-अमित जैन
4थी - ए

परी, गंजबासौदा
रजनी-पंकज जैन
4थी - ए

हर्षित, गंजबासौदा
किरन-महेश जैन
4थी - ए

अर्विशा, इन्दौर
प्रीति - आनंद जैन
4थी - ए1

अर्विनी, इन्दौर
प्रीति - आनंद जैन
4थी - ए1

पावन, इन्दौर
प्रीति-संदीप जैन
4थी - ए1

प्रेक्षा, इन्दौर
रक्षा-प्रवीण जैन
5वी - 9.4 सीजीपीए

कशिश, इन्दौर
आराधना-निलेश जैन
5वी - ए+

अनवी, उज्जैन
प्रतिमा-आशीष जैन
5वी - ए1

स्नेहा, इन्दौर
प्रिया-नितिन जैन
5वी - ए1

अनन्य, अहमदाबाद
रश्मि-आलोक जैन
5वी - ए

हर्षिता,
झांसी
5वी - ए

अपूर्वा, गंजबासौदा
भारती-पंकज जैन
6टी - ए

सोमिल, हरपालपुर
संगीता-सुनील जैन
6टी - ए

अदिति, गंजबासौदा
सविता-अशोक जैन
6टी - ए

आशी, गंजबासौदा
रेनू-संजय जैन
6टी - ए

सलोनी, गंजबासौदा
शिवानी-सुरेन्द्र जैन
6टी - ए

पर्व, गंजबासौदा
शिल्पा-पंकज जैन
6टी - ए

अतिशय, इन्दौर
स्मृति-संजय जैन
6टी - ए2

लक्ष्य, विदिशा
सुमन-आनंद जैन
6टी - ए2

चार्मी, इन्दौर
रेशू - निशांत जैन
7वी - 8.83 सीजीपीए

रिशित, बुढ़ार
श्रुती - ऋषि जैन
7वी- ए+

प्रज्ञा, हरपालपुर
संगीता-सुनील जैन
7वी- ए

आदित्य, भोपाल
रश्मि-राजेश जैन
7वी - ए1

रीत, इन्दौर
विनीता-आशीष जैन
7वी- ए2

अपेक्षा, मंजबासौदा
ज्योति-अमित जैन
7वी- ए2

स्नेहा, मंजबासौदा
सुनिता-शैलेन्द्र जैन
7वी- ए2

परी, मंजबासौदा
नीतू-पवन जैन
7वी- बी

ज्योत्सना, गोर
शशिकांता-जिनेन्द्र जैन
8वी - 10 सीजीपीए

अक्षत, इन्दौर
बिंजल-आशीष जैन
8वी - 9 सीजीपीए

वंश, इन्दौर
सपना - अंचल पंचरतन
8वी - 7.8 सीजीपीए

शैली, मंजबासौदा
सविता-अशोक जैन
8वी - ए

अनिकेत, मंजबासौदा
रेनू-संजय जैन
8वी - ए

सिध्दार्थ, मंजबासौदा
इन्दू-नेमीचन्द जैन
8वी - ए

तोषी, झांसी
अर्चना-धर्णेन्द्र जैन
8वी - ए

सेजल, मंजबासौदा
शिवानी-सुरेन्द्र जैन
8वी - ए

आस्था, मंजबासौदा
सरिता-राजेन्द्र जैन
8वी - ए1

संस्कृति, मंजबासौदा
मोहिनी-शैलेश जैन
8वी - ए2

पारस, इन्दौर
साधना-प्रदीप जैन
8वी - ए2

आशिता, इन्दौर
स्मृति-संजय जैन
9वी - ए2 9.0 सीजीपीए

मैत्री, इन्दौर
पूर्णिमा - भरतेश जैन
9वी - 8.80 सीजीपीए

प्रांशी, मंजबासौदा
सुषमा-जितेन्द्र जैन
9वी - 88.6%

शुभानी, मंजबासौदा
संध्या-विनोद जैन
9वी - 87.8%

ख्याति, मंजबासौदा
ज्योति-जितेन्द्र जैन
9वी - 86.7%

उज्जवल, मंजबासौदा
भावना-राजेश जैन
9वी - 8.8 सीजीपीए

प्रांजल, इन्दौर
रक्षा-प्रवीण जैन
9वी - 8.22 सीजीपीए

शैलजा, दमोह
प्रतिज्ञा-शैलेन्द्र जैन
9वी - बी

ईप्शिता, जबलपुर
अतुला-उन्मेश जैन
10वी - 10 सीजीपीए
सीबीएसई

हर्ष, इन्द्राना
साधना-राजेश जैन
10वी - 10 सीजीपीए
सीबीएसई

आंशी, सीहोर
सुनिता-पंकज जैन
10वी - 10 सीजीपीए
सीबीएसई

स्वस्ति, भोपाल
सविता-अशोक जैन
10वी - 10 सीजीपीए
सीबीएसई

निकुंज, विदिशा
उषा-राजेश जैन
10वी - 10 सीजीपीए
सीबीएसई

सौम्या, मंजबासौदा
कविता-सुनील जैन
10वी - 9.8 सीजीपीए
सीबीएसई

अनुष्का, खरगौन
कीर्ति-अनुराग जैन
10वी - 9.6 सीजीपीए
सीबीएसई

सृष्टि, इन्दौर
संतोष-संदीप जैन
10वी - 9.2 सीजीपीए
सीबीएसई

अनुज, मंजबासौदा
रानी-मनोज बजाज
10वी - 9.2 सीजीपीए
सीबीएसई

समर्थ, हरदा
श्रुतिज्ञा-अनिल जैन
10वी - 9 सीजीपीए
सीबीएसई

सम्यक, इन्दौर
सुषमा-सुधीर जैन
10वी - 9 सीजीपीए
सीबीएसई

भूमि, विदिशा
मोहिनी-राकेश जैन
10वी - 8.8 सीजीपीए
सीबीएसई

खुशी, इन्दौर
संध्या-ऋषिकुमार जैन
10वी - 8.6 सीजीपीए
सीबीएसई

अनिक, मऊरानीपुर
संचिता-अजित जैन
10वी - 8.2 सीजीपीए
सीबीएसई

श्रुतिका, झांसी
राजेश जैन
10वी - ए

महक, झांसी
मनोज जैन
10वी - ए

अशिता, झांसी
महेन्द्र जैन
10वी - ए

खुशी, झांसी
अनुपमा - अमित जैन
10वी - ए

आर्यमन, ग्वालियर
शिल्पी-राजेश जैन
10वी - 89% CBSE

अतिशय, झांसी
राजकुमार जैन
10वी - 92% ICSE

सौम्या, झांसी
डॉ.राखी-डॉ.कमलेश जैन
10वी - 87.6% ICSE

अतिशय, इन्दौर
अनु-नीरज जैन
10वी - 86% ICSE

मनन, नागपुर
श्रध्दा-संदीप जैन
10वी - 94% बोर्ड

ध्रुव, नागपुर
रेखा-संजय जैन
10वी - 93% बोर्ड

सुरभि, उज्जैन
ज्योति-राजेश जैन
10वी - 92% बोर्ड

प्रांशु, मंजबासौदा
सुषमा-जितेन्द्र जैन
10वी - 88.5% बोर्ड

प्रांजल, मंजबासौदा
सीमा-सुनील जैन
10वी - 88% बोर्ड

भव्या, मालवॉन
मीना-नरेन्द्र जैन
10वी - 87% बोर्ड

रजत, गंजबासौदा
अर्चना-उमेश जैन
10वी - 85%
बोर्ड

अतिशय, जतारा
अभिलाषा-अशोक
10वी - 85%
बोर्ड

अभिनव, हरपालपुर
रूपा-संजय जैन
10वी - 80%
बोर्ड

आस्था, गंजबासौदा
रेखा-अनिल जैन
10वी - 73%
बोर्ड

कृतिका, गंजबासौदा
अल्पना-अनूप जैन
11वी - 85.5%

संस्कार, इन्दौर
अनुपमा-रजनीश जैन
11वी - 82.5%

श्रुति, गंजबासौदा
विनीता-सुनिल जैन
11वी - 81%

अर्पिता, इन्दौर
अल्पना-पवन जैन
11वी - 78.60%

संचिता, इन्दौर
नीतू-सुधीर जैन
11वी - 76.7%

अर्जिता, ललितपुर
संगीता - राजेश जैन
12वी - 87.3%
आईसीएसई - पीसीएम

सलौनी, इन्दौर
सुनिता-विकास जैन
12वी- 91.6%
सीबीएसई-कॉमर्स

फाल्गुनी, गंजबासौदा
रजनी-सुनील जैन
12वी- 86.4%
सीबीएसई-कॉमर्स

संयम, जबलपुर
प्रीति-चन्द्रमोहन जैन
12वी - 85.6%
सीबीएसई-पीसीएम

अनिमेष, हरपालपुर
रूपा - संजय जैन
12वी - 89.8%
बोर्ड - पीसीएम

केशु, गंजबासौदा
उर्मिला - विकास जैन
12वी - 89.4%
बोर्ड - पीसीएम

सम्यक
ज्योति - संतोष जैन
12वी - 87.8%
बोर्ड - पीसीएम

अपूर्वा, सीहोर
सुनीता - पंकज जैन
12वी - 87.8%
बोर्ड - पीसीएम

नित्या, पन्ना
मीना - जयकुमार जैन
12वी - 83.4%
बोर्ड - पीसीएम

साक्षी, खनियाधाना
अनिता - प्रेमचन्द जैन
12वी - 80%
बोर्ड - पीसीएम

सौमिल, गंजबासौदा
अर्चना-मनोज जैन
12वी - 76.4%
बोर्ड - पीसीएम

रितिका, झांसी
राजेश जैन
12वी - 75.6%

नमन, गंजबासौदा
सीमा-संदीप भंडारी
12वी - 73%
बोर्ड - पीसीएम

सुरभि, गंजबासौदा
संध्या-शांतिकुमार जैन
एम. टेक - 86%

श्रेया,
श्रीयांश जैन
बीबीए - 68.52%

चिदेश, इन्दौर
रेशू-निशांत जैन
3री - ए

निशित, भुज
संपना-आशीष जैन
6टी - ए1

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए हमने जो योग्यता निर्धारित की थी,
उसके आधार पर ही प्रतिभाओं का चयन किया गया है। समय सीमा पश्चात् भेजी गयी अंकसूचियों को स्थान नहीं दिया जा सका है।
नोट - हमने पूर्ण सावधानी के साथ नाम एवं चित्र प्रकाशित किये है, फिर भी यदि त्रुटि रह जाती है तो हम क्षमाप्रार्थी है।

समाज की प्रतिभाओं को आगे लाने का सुनहरा अवसर

हर व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है। अच्छी बात है। सफलता व्यक्ति में आगे बढने का आत्मविश्वास बढ़ाती है। कठिनाईयों का सामना करने का हौसला देती है। किन्तु सफलता को मील का पत्थर मानकर आगे बढते जाना है। आगे बढना ही जिन्दगी का उद्देश्य होना चाहिए। कब और कैसे यह परिस्थिति को तय करने दें। कुछ इसी विचार को लेकर हम अपने समाज में गोलालारीय दर्शन पत्रिका के माध्यम से एक नई शुरूआत कर रहे हैं। हर वर्ष हम मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित करते आ रहे है। इसी कड़ी में आगामी अंकों से हम विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजजनों को भी सम्मानित करना चाहते है। इस योजना में हमने तीन आयु वर्ग बनाये है - पहला 20 से 35 वर्ष, दूसरा 35 से 60 वर्ष और तीसरा 60 वर्ष से अधिक के समाजजन। आपके किसी परिजन या मित्रगण जिसने भी उपरोक्त आयु वर्ग में शिक्षा, व्यापार, नौकरी, खेल, सांस्कृतिक, साहित्यिक या समाज सेवा के क्षेत्र में कोई विशेष योगदान दिया हो तो उनका सचित्र सम्पूर्ण विवरण हमारे कार्यालय पर पोस्ट, ईमेल या वाट्सएप्प नं. 9406744064 पर भेज सकते है। उसे हमारे मुखपत्र गोलालारीय दर्शन में सचित्र प्रकाशित किया जावेगा। माता पिता द्वारा अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के साथ हम समाज के बच्चों से भी अपेक्षा करते हैं कि वे अपने माता पिता की उपलब्धियों को समाज के समक्ष लाये ताकि समाज उनके कार्यों से गौरवांवित हो सके। प्राप्त प्रविष्टियों को प्रकाशन के पूर्व कमेटी द्वारा स्वीकृत होने पर ही पत्रिका में अपना स्थान मिल पावेगा। आप अपनी व परिजनों की प्रविष्टियां हर समय भेज सकते है।

* विनम्र श्रद्धांजली *

श्रीमति मैदाबाई जैन धर्मपत्नी स्व.श्री वृंदावनदास जैन रायसेनवालों का निधन 6 मई को हो गया। आप धार्मिक विचारों वाली महिला थी।

श्रीमति कुसुमबाई जैन धर्मपत्नी स्व. श्री हुकमचंदजी जैन बैतूलवालों का निधन 10 मई को हो गया है आप अत्यन्त सरल स्वभावी व धार्मिक विचारों वाली महिला थी आपकी स्मृति में परिवारजनों ने गोलालारीय समाज को 5100 व गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 1100 रु. दान स्वरुप भेंट किये।

स्व. श्री भगवानदासजी के छोटे सुपुत्र **श्री राकेश जैन** का निधन 3 जून को इन्दौर में हो गया। आप अत्यन्त मिलनसार व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट - विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा।

विनम्र निवेदन - आपके परिवारों में होने वाले मांगलिक प्रसंगों जैसे कि विवाह समारोह, विवाह वर्षगांठ की रजत या स्वर्ण जयंती, बच्चों के जन्मदिवस या परिवार में धार्मिक विधान व अन्य कोई मांगलिक प्रसंग पर आप अनेक मदों में दिल खोलकर रुपया खर्च करते है। हमारा आपसे एक छोटा सा करबद्ध निवेदन है कि इन प्रसंगों में एक खर्च समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका "गोलालारीय दर्शन" के नाम से खर्च करने का विचार करें। आपके सहयोग के आधार पर ही यह सामाजिक पत्रिका लम्बे समय तक समाजजनों को पहुँचाने का हम सतत् प्रयास करते रहेंगे। आपका आर्थिक संबल समाज के इस पहले प्रयास को प्राण वायु प्रदान करेगा। आशा है आप इस विषय पर विचार कर दिल खोलकर आर्थिक सहयोग करेंगे। - संपादक

स्थान अभाव के कारण गत अंक में प्रकाशित विशेष सहयोगियों की सूची में शेष नाम व संशोधन नामों का प्रकाशन आगामी अंक में प्रकशित किया जावेगा।
₹ 2000 से कम राशि देने वाले सदस्यों की सूची भी आगामी अंको में प्रकाशित करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।
विशेष सहयोगी, संरक्षक, परम संरक्षक, शिरोमणि संरक्षक नियमानुसार अपने चित्र भिजवाने की व्यवस्था करे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

परिणयोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

आयुष्मान हितेश

सुपौत्र : स्मृतिशेष भागचंद्रजी-श्रीमती चमेलीबाई भंडारी
सुपुत्र : नरेन्द्रकुमार-श्रीमती कल्पना भंडारी
सागर (म.प्र.)

का शुभ विवाह

आयुष्मति शीतल

सुपौत्री : दमरूलाल-श्रीमती लीलावती जैन
सुपुत्री : संतोषकुमार-श्रीमती चंचला जैन
इन्दौर (म.प्र.)

के साथ दिनांक 16 अप्रैल 2017, रविवार को
राम सरोज पैलेस, सागर में संपन्न हुआ ।

प्रतिष्ठान - एन.के. भंडारी, एडवोकेट, सागर (म.प्र.)

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. सौरभ

सुपौत्र : स्व. सुमित्राबेन-स्व. वृंदावनलाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती मुन्नीबेन-प्रकाशचन्द्र जैन

का
शुभ विवाह

सौ.कां. किंजल

सुपौत्री : राजमतीबेन-मथुराप्रसाद जैन
सुपुत्री : किरणबेन-सनतकुमार जैन

दिनांक 8 मई 2017 को अहमदाबाद में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठान - * पार्श्व इंटरप्राईज़, अहमदाबाद

नवदाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौ.का. कृति

सुपौत्री : स्व. श्रीमती पुत्तीबाई-स्व.श्री रामदास जैन

सुपुत्री : श्रीमती अलका-प्रदीप जैन

चि. पराग

सुपौत्र : स्व.श्रीमती चंद्रलेखा-स्व.श्री नरेन्द्र मेहता

सुपुत्र : श्रीमती भारती-अजय मेहता

का

शुभ विवाह

21 मई 2017 को होटल कैलाश पैलेस, रायसेन रोड़, भोपाल में
साआनंद संपन्न हुआ।

नवदाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ

आयुष्मति सृष्टि (मीनू)

सुपौत्री : सिंघई जीवनधर-सरोज जैन

सुपुत्री : सिंघई डॉ. अजय-कल्पना जैन

मड़िया (टीकमगढ़)

आयुष्मान इंजी. अतुल

सुपौत्र : कीर्तिशेष हजारीलाल-शांतिदेवी जैन

सुपुत्र : श्री राजकुमार-कल्पना जैन

डबरा (ग्वालियर)

का

शुभ विवाह

दिनांक 2 जुलाई 2017 को डबरा में साआनंद संपन्न हुआ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ -

श्रीजी मेडिकल स्टोर, मड़िया

सौ. शशि-सुधेश जैन (इन्दौर), सिं. विजय-आशा (इन्दौर), सिं. संजय-संजना (मड़िया), डॉ. अपूर्व, सत्या, अदिति

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित